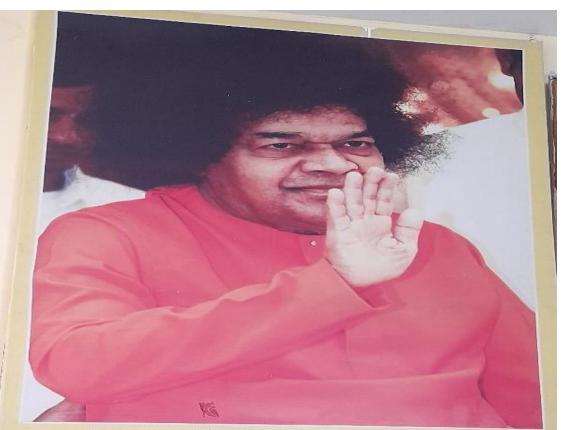
Criterion VI

Governance, Leadership and Management

6.1.1. The institutional governance and leadership are by the vision and mission of the Institution and it is visible in various institutional practices such as NEP implementation, sustained institutional growth, decentralization, participation in the institutional governance and their short-term and long-term Institutional Perspective plans.

Bhagwan Shri Sathya Sai Baba

Bhajan Hall



BHAGWAN SRI SATHYA SAI BABA 23.11.1926 - 24.04.2011

The objective of Sai Avatar is to uplift the level of divine consciousness among human beings and to bring about qualitative transformation in all mankind. Baba propagated and idealized the five virtues of Satya, Dharma, Prem, Ahimsa, Shanti and emphasized on value based righteous living purified by divinity, in his organizations.

Sri Sathya Sai Baba established various schools, colleges and University all over India with the objective of imparting value based education. Super specialty hospitals were started in Puttaparthi, Bangalore and Raipur to provide advanced medical treatment free of cost. Swami solved the drinking water crises in Andhra Pradesh, Karnataka, Chennai and the Mendak Region that quenched the thirst of lakhs of people, by laying long pipelines of over 4000 km. in South India. The Govt. of India commemorated Swami's efforts by releasing a postal stamp for this miraculous endeavor.





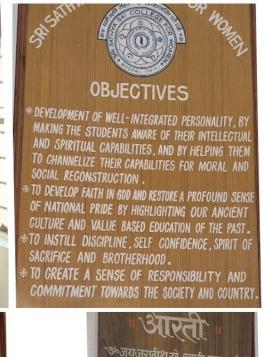
MISSION STATEMENT

"IN THIS COLLEGE, THE MEDIUM IS DISCIPLINE. THE FIRST, SECOND AND THIRD LANGUAGES ARE LOVE SERVICE AND SADHANA"

BABA

BHAJAN HALL

"इस महाविद्यालय का माध्यम अनुशासन है | इसकी प्रथम,द्वितीय और तृतीय भाषा प्रेम सेवा और साधना है |"



ॐजयजज्वतिश हरे. स्वामी सत्य साई हरे मक्तजनासंरक्षक, पति महेश्वरा ॥ॐजय शीश वढना श्रीकरा सर्वाप्राणपति । स्वामी सर्वाप्राणपति । मश्रित कल्पलतीका(१) आपतु वन्धवा।ॐजय माता- पिता- गुरू- दैवम्- मरिअतंयुन्तंवे. स्वामी मरि अन्तर्य नीवे नाढ ब्रह्म जनन्नाथा (१) नाग्रेन्द्राशयना ॥ ॐजय... वाग्रेन्द्राशयना ॥ ॐजय... उन्हे काररूप.आजसी. ्ॐ साई महादेवा सत्य साई महादेवा संग्रेल आरती अन्दुर्का (१) तान्द्रर गिरिधारी ॥ॐजय... नारायण, नारायण, जरायण ॐ

Mission & Vision Statement of the College

SRI SATHYA SAI COLLEGE FOR WOMEN, BHOPAL MISSION STATEMENT In this college, the medium is discipline; the first, Second and third languages are Love, Service and Sadhana इन्स महाविद्यालय का माध्यम अनुशासन है। इन्सकी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय भाषाएँ, प्रेम, सेवा और साधना है। ध्येय वाक्य VISION We envision the emancipation and empowerment of women through value based education enabling them to participate actively in the work of nation-building and social reconstruction. दाष्ट्रिकोण रसामाजिक पुनर्श्वरचना एवं राष्ट्र निर्माण में महिलाओं को सक्रिय सहभागिता के योग्य बनाजे हेत् नौतिकमूल्य आधाबित शिक्षा प्रदान करूना हमाराउद्देश्य है। OBJECTIVES Development of well-integrated personality, by making the students aware of their intellectual and spiritual capabilities and by helping them. to channelize their capabilities for moral and social reconstruction. To develop faith in God and restore a profound sense of national pride by highlighting our ancient culture and value based education of the past.



To instill discipline, self confidence spirit of sacrifice and brotherhood.



To create a sense of responsibility and country.

Daily Activities of Morning Assembly

MONDAY TUESDAY WEDNESDAY



सुख का दाता सबका साथी शुभ का ये संदेश है, माँ की गोंद ,पिता का आश्रय मेरा मध्यप्रदेश है।

मेरा मध्यप्रदेश है। 1. विध्याचल सा भाल नर्मदा का जल इसके पास है यहाँ ज्ञान,विज्ञान,कला का लिखा गया इतिहास है उर्वर भूमि ,सधन वन रल संपदा जहाँ अशेष है, स्वर-सौरभ -सुषमा से मंडित मेरा मध्यप्रदेश है

मेंग मध्यप्रदेश है। 2. चम्बल की कल-कल से गुंजित कथा दान बलिदान की खजुराहों में कथा कला की चित्रकूट में राम की भीमबैठका आदि कला का पत्थर पर अभिषक है अमृत कुण्ड अमरकंटक में, ऐसा मध्यप्रदेश है

ऐसा मध्यप्रदेश है।

क्षिग्रा में अमृत घट छलका, मिला कृष्ण को ज्ञान यहाँ, महाकाल को तिलक लगाने, मिला हमें वरदान यहाँ, कविता न्याय, वीरता गायन सब कुछ यहाँ विशेष है , हृदय देश का यह, मैं इसका मेरा मध्यप्रदेश है

मेरा मध्यप्रदेश है ।

राष्ट्र-गीत वन्दे मातरम

सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम् सच्च श्र्यायलां मातरम् शुभ्र ज्यांतरानाम् पुलकित यापिनीम् फुल्ल कुसुमित सुमदलशांभिनीम्, सुहासिनी सुमधुर भाषिणीम् . सुखदां वरदां मातरम् ।।

सप्त कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले द्विसप्त कोटि भुजेर्घुत खरकरवाले के बाले मा तुमी अबले बहुबल धारिणीम् नमामि तारिणीम् रिपुदलवारिणीम् मातरम् ।।

तुमि विधा तुमि धर्म, तुमि इदि तुमि मर्म त्वं हि प्राणाः शरीरे बाहुतं तुमि मा शक्ति, हृदय तुमि मा भक्ति, तोमारे प्रतिमा गढि मन्दिरे ।।

त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी कमला कमलदल विहारिणी वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम् नमामि कमलां अमलां अतुलाम् सुजलां सुफलां मातरम् ।।

ञ्यामलां सऱलां सुस्मितां भूषिताम् धरणीं भरणीं मातरम् ।। गणपति प्रार्थना गणानां त्वा गणपतिगुं हवामहे कविं कवीनामुप्रमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठरात्रं ब्रहणां ब्रह्मणस्यत आ नः शुण्वव्यूतिमिस्सींडू सार्वनम् ।
प्राणो देवी सरस्वती वार्जेषिर्वाजिनीवती। धीनामविव्यवतु।
गणेशाय नमः । सरस्वत्यै नमः । श्री गुरूष्यो नमः । हरिः ओम् ।।
२. गायत्री मन्त्वाः

पुरुषपर्य विद्या सरसाक्षस्य महादेवस्य धीमाँठ। तत्री स्वः प्रचोरयात्। तत्पुरुषपय विद्याहे महादेवाय धीमाँठ। तत्री स्वः प्रचोरयात्। तत्पुरुषपय विद्याहे कहनुण्डाय धीमाँठ। तत्री दत्तिः प्रचोरयात्।। इ तत्पुरुषपय विद्याहे वक्रतुण्डाय धीमाँठ। तत्री दत्तिः प्रचोरयात्।। इ तत्पुरुषपय विद्याहे वक्रतुण्डाय धीमाँठ। तत्री नत्तिः प्रचोरयात्।। तत्पुरुषपय विद्याहे सुवर्णप्रक्षाय धीमाँठ। तत्री नत्तिः प्रचोरयात्।। वेदात्मनायं विद्याहे तिरुपयगर्भाय धीमाँठ। तत्री नत्ता प्रचोरयात्।। वेदात्मनायं विद्याहे तासुदेवाय धीमाँठ। तत्री तत्राः प्रचोरयात्।। वेदानत्पाय विद्याहे वासुदेवाय धीमाँठ। तत्री जादित्वः प्रचोरयात्।। हेश्वनत्पाय विद्याहे कार्लालाय धीमाँठ। तत्री जादित्वः प्रचोरयात्।। हेश्वनत्पाय विद्याहे कार्लालाय धीमाँठ। तत्री जादित्वः प्रचोरयात्।। धेन्धानत्पाय विद्याहे कार्लालाय धीमाँठ। तत्री जादित्वः प्रचोरयात्।। धेन्धानत्पाय विद्याहे कार्लालाय धीमाँठ। तत्री जादित्वः प्रचोरयात्।। धेन्धानताय विद्याहे कार्लालाय धीमाँठ। तत्री जादित्वः प्रचोरयात्।। धेन्धानताय विद्याहे कार्लालाय धीमाँठ। तत्री जादित्वः प्रचोरयात्।। धेन्धानताय विद्याहे कत्वस्कृपारि धीमाँठ। तत्री जादिः प्रचोरयात्।। धेन्धारवत्वमा विद्याहे कत्वस्कृपारि धीमाँठ। तत्री दुर्गिः प्रचोरयात्।। धेन्धारवतमा विद्याहे कत्वयकुपारि धीमाँठ। तत्री दुर्गिः प्रचोरयात्।। धेन्धारवतमा विद्याहे कत्वयकुपारि धीमाँठ। तत्वा दुर्गिः प्रचोरयात्।। धेन्धारवतमा विद्याहे कत्वयकुपारि धीमाँठ। तत्वा दुर्गिः प्रचोरयात्।।

तेजस्विना-वधीत-मस्तु मा विद्विषावहै

ऊँ शान्तिः ऊँ शान्तिः ऊँ शान्तिः ।। १।।

Sri Sathya Sai Baba's Quotes

THERE IS ONLY ONE RELIGION, THE RELIGION OF LOVE. THERE IS ONLY ONE LANGUAGE, THE LANGUAGE OF HEART. THERE IS ONLY ONE CASTE, THE CASTE OF HUMANITY. THERE IS ONLY ONE GOD, HE IS OMNI PRESENT. -Sri Sathya Sai Baba केवल एक ही धर्म प्रेम का धर्म केवल एक ही भाषा है हृदय की भाषा केवल एक ही जाति है मानवता की जाति केवल एक ही भगवान हैं। वह सर्वट्यापी है

Sri Sathya Sai Baba's Quotes



जान का संबंध आजीविका ही नही , अपितु सम्पूर्ण जीवन से है । इसका एकमात्र उद्देश्य हृदय , हाथ एवं मस्तिष्क के गुणों को एकरस करके , तुम्हें स्वयं की तथा परिवार , समाज और राष्ट्र की बेहतर सेवा कर पाने योग्य बनाना है । '' Education is for life, not merely for living. It's sole aim is to unite the qualities of Head, Heart and Hands, So that you are better equipped to serve yourself, the family, society and the Nation." – Sri Satya Sai Baba

Academic Structure: UG Program

Academic Structure : UG Program

C EUL DA MAR		Own Faculty		Any Faculty	Skill	Ability	Field Projects/Internship/			
		Subject I	Subject II	Subject III	Enhancement Course	Enhancement Course	Apprenticeship/community engagement & service	Credits		Qualification title (Credit
Year		Major Minor		Elective Course			Inter / intra Faculty related to main Subject	Credit Distribution	Total Credits per year	requirement)
Level 5	1	2 (12 credits) 6 credit each	1 (06 credits)	1 (06 credits)	1 (04 credits)	2 (8 credits) 4 credit each	1 (04 credits)	12+6+6 4+8+4	40	(40) Undergraduate Certificate in Faculty
Level 6	2	2 (12 credits) 6 credit each	1 (06 credits)	1 (06 credits)	1 (04 credits)	2 (8 credits) 4 credit each	1 (04 credits)	12+6+6 4+8+4	40	(80) Undergraduate Diploma in Faculty
Level 7	3	2 (12 credits) 6 credit each DSE	1 (06 credits)	1 (06 credits)	1 (04 credits)	2 (8 credits) 4 credit each	1 (04 credits)	12+6+6 4+8+4	40	(120) Bachelor in Faculty
Level 8	4	2 (12 credits) 6 credit each 2 (08 credits) 4 credit each	1 Research Methodology (04 credits) 1 (04 credits)				1 (12 credits) (6+6) Internship/ Apprenticeship related to main subject/ Research Project	20+4+4+12	40	(160) Bachelor (Honours / Research) in Faculty
Te	otal	56 Credits	26 Credits	18 Credits	12 Credits	24 Credits	24 Credits		160 Credits	

Calculation of Cumulative Grade Point Average (CGPA)

क्युमुलेटिव ग्रेड पॉईट एवरेज (सीजीपीए) की गणना							
Year	Credits	AGPA	Credits x A	GPA	CGPA		
1	40	7.50	300.00				
2	40	7.58	303.20	CGP	A = Total (Credits x AGPA)		
3	40	7.32	292.80	con	Total Credits		
4	40	8.34	333.60	CGP	A = 1229.60 / 160 = 7.685 = 7.69 (roundoff)		
Total	160		1229.60	किए	त वर्ष में छात्र के द्वारा पूर्ण गए समस्त पाठ्यक्रमों के ट का योग है।		

Calculation of Annual Grade Point Average (AGPA)

एनुअल ग्रेड पॉइंट एक्रेज (एजीपीए) की गणना							
Course	Credits (C)	Grade	Grade Point (GP)	Credit Points (C x GP)	AGPA (Total Credit Points/ Total Credit)		
Course 1	6	A	8	48			
Course 2	6	С	5	30			
Course 3	6	B+	7	42	276 / 40 = 6.90		
Course 4	6	0	10	60			
Course 5	4	в	6	24	Annual Grade Point		
Course 6	4	Р	4	16	Average (वार्षिक ग्रेड प्वाइंट जौसल-एजीपीए), एक वर्ष में		
Course 7	4	A+	9	36	छात्र के प्रवर्शन की गणना है।		
Course 8	4	с	5	20			
TOTAL	40		20 # 75	276			

Grading Scheme of NEP

Letter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
•	10	Outstanding	90-100
A+	9	Excellent	80-89
A	8	Very good	70-79
в	7	Good	60-69
B+	6	Above Average	50-59
С	5	Average	40-49
Ρ	4	Pass	35-39
F	0	Fail	0-34
AB	0	Absent	Absent